एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

~~पहला सत्र~~ सेमेस्टर एक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

MHN ~~101~~ CC—1 प्रथम ~~पहला प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : ~~4~~ 5

तीन आलोचनात्मक – 3×10=30
~~तीन~~ चार लघूत्तरी – 4×5=20
~~पन्द्रह~~ दस वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
70

भाषा व लिपिः उद्‌भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व/अंग, अभिलक्षण

भाषा विज्ञानः परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, अध्ययन की दिशाएँ

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा-परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा का उद्‌भव ~~की समस्या~~: अपभ्रंश, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास: अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपों का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा और हिन्दी ~~की आत्मा~~

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथः—

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Reviewed and modified
14/6/18
प्रो. [illegible] मो. 9470470718
14/6/18
(प्रो. [illegible] कुमार) मो. 9493763180

Scanned with CamScanner

2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. बाबूराम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण तिवारी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनंत चौधरी (सं0)– नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन

" " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी– हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना0 प्र0 सभा, 1948

11. रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना0 प्र0 सभा, सं0 2035

12. किशोरीदास बाजपेयी– हिन्दी शब्दानुसान, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2033

13. नामवर सिंह – हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल, दिल्ली–1947

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ0 शीतिकंठ मिश्रा– खड़ी बोली आन्दोलन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2013

17. अध्योध्याप्रसाद खत्री स्मारक– (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्), पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1983– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध

ख. 'क्या करें' में, प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबन्ध)

19. डॉ0 धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991

21. क्रिस्टोफर आर.किंग– वन लैग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टींथ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22 आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारतीभवन, पटना

14/6/16

14/6/18

Scanned with CamScanner

22. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटीण्थ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997

23. डॉ0 इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1966

24. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1959

25. पॉल आर. ब्रास– लैग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974

26. वीर भारत तलवार– रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

27. मीर अम्मन– बागो–बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966

28. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998

29. डॉ0 श्रीराम शर्माः दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10/5/2018 10.5.18 10/5/2018

Scanned with CamScanner

MHN 102 CC-2

द्वितीय ~~दूसरा प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : 5

3×10= 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघूत्तरी)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास ~~क्या है,~~ और इतिहास–दृष्टि

इतिहास–दृष्टि और साहित्येतिहास ~~लेखन पद्धति~~ दृष्टि

~~इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास~~

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ ~~और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ~~

काल–विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृतियों का अंतस्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

~~उत्तर-आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य~~

अनुमोदित ग्रंथः–

1. ई. एच.कार. – इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल– फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा– इतिहासदर्शन
5. आर.कलिंगवुड– द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर.कलिंगवुड– हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 वर्कहार्ड– जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम ~~परमार~~ कश्यप (सं0) – हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

Scanned with CamScanner

9. एच.बटरफील्ड– द हिंवग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री
10. बट्रेंड रसेल– पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री
11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज
12. एम0सी0डी0 आर्सी– दि सेंस ऑफ हिस्ट्री; सेकुलर एंड सैक्रेड
13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
14. डॉ0 नागेन्द्र (सं.)– हिन्दी साहित्य का इतिहास
15. ह0 प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका

    ,, ,, – हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास
16. सुधीश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद
17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र
18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018 10.5.18

Scanned with CamScanner

HN 103 CC-3

तीसरा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, ~~आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ~~, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- भक्ति आंदोलन के उदय के ~~कारण~~, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- ~~सगुण और~~ निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख ~~सगुण~~ निर्गुण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत
- सगुण ~~और निर्गुण~~ भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, ~~संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ~~, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिंदी साहित्य का अतीत (भाग– एक), वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ0 नगेन्द्र (सं0), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास–दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

Scanned with CamScanner

11. अवधेश प्रधान– हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन– उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।

13. वशिष्ठ अनूप– हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास

14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ0 विजयपाल सिंह– साहित्यिक निबंध

15. डॉ0 शंभुनाथ शुक्ल– आदिकालीन हिन्दी साहित्य

16. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : रमैनी

17. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : सबद

18. डॉ0 जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : साखी

19. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– गोरखनाथः नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में

20. डॉ0 वासुदेव सिंह– हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन

21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी – मध्ययुगीन काव्य साधना

22. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

23. डॉ0 शिवनारायण सिंह– रीतिकालिन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन

24. शिव कुमार मिश्र– भक्तिकाव्य और लोकजीवन

25. के. दामोदरन– भारतीय चिंतन परंपरा

26. प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका

27. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

Scanned with CamScanner

MHN ~~101~~ CC-4 चतुर्थ चौथा ~~प्रथम~~ पत्र

तीन दीर्घ प्रश्नोत्तर – 3×10= 30
दो लघुउत्तरीय प्रश्न – 4×5 = 20
दस वस्तुनिष्ठ – 10×2 = 10
70

क्रेडिट : 5

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं० ह० प्र० द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान– संदेश रासक, सं० ह०प्र० द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

X ~~जायसी– पद्मावत, सं० वासुदेवशरण अग्रवाल (नागमती सुआ खंड, नागमती विमार्श खंड, पद्मावती–नागमती सती खंड)~~ वियोग

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं० वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अमीर खुसरो : चयनित पाठ

अनुमोदित पुस्तक–सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं० माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलहाबाद
6. कीर्त्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि०वि० प्रकाशन, वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका, सं० रामचन्द्र शुकल
8. जायसी, विजयेदव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. पद्मावत, सं० माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi, 1976
13. मध्ययुगीन ~~मध्युगीन~~ प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानंद तिवारी
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालया, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

♣♣♣♣♣

10/5/18 10.5.18 10.5.18 10/5/2018 10/5/2018

सेमेस्टर-दो

1/ HN ~~201~~ CC-5

पंचम ~~पंचवाँ प्रश्न~~ पत्र

3×10 = 30 (दीर्घउत्तरीय)
4×5 = 20 (लघुउत्तरीय)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

क्रेडिट : 05

द्वितीय सत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से ~~अद्यावधि~~ अब तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, ~~सांस्कृतिक पुनर्जागरण व नवजागरण का संबंध~~, भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्वपूर्ण लेखक

- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं ~~का~~ उदय एवं विकास: ~~का आकलन~~ आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृतांत, संस्मरण आदि।

- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृति का उदय, विकास और छायावाद

- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व– ~~व्यक्ति और स्वातंत्र्य~~, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, समाजवाद आदि

- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास

- उत्तरछायावाद, नवगीत, ~~समकालीन कविता~~

- समकालीन हिन्दी साहित्य– ~~समकालीन हिन्दी साहित्य~~–कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृतियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री–लेखन, दलित-लेखन

- हिन्दी में प्रवासी साहित्य ~~का इतिहास~~

- आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थाओं की भूमिका (चार चयनित संस्थाएँ)

Scanned with CamScanner

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबा, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.इ. आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवदेना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थीः विवके के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकिः दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– शृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं0– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और स्मणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C. Mallik (Ed.) - Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978
18. Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983.
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

Scanned with CamScanner